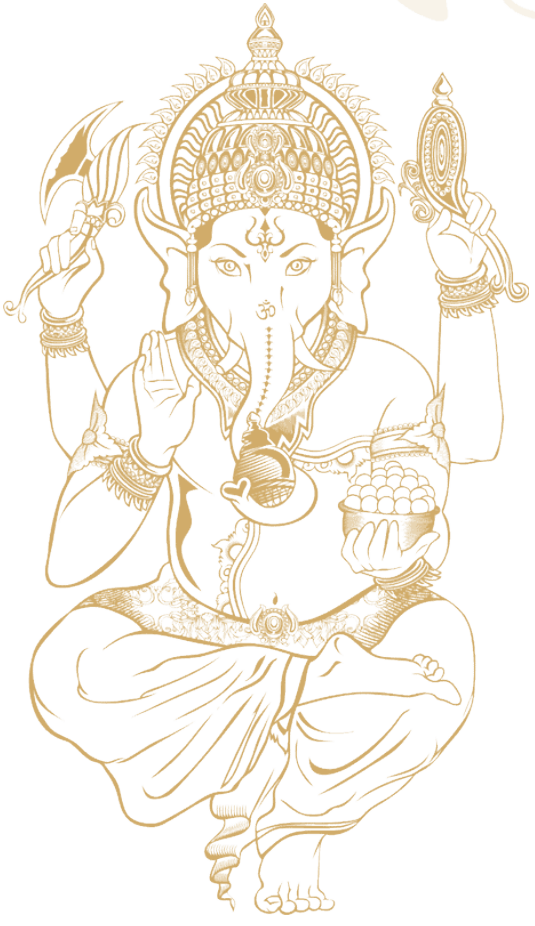

Mr.Ayush Agrawal

Ms. Richa Agrawal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119316405

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/10/1998	जन्म तिथि	24/08/2000
शनि-रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 55:12:34	जन्म समय(घटी)	41:53:36 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Delhi
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:58	सूर्योदय	05:55:09
17:48:32	सूर्यास्त	18:51:09
23:50:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 15वर्ष 11मा 0दि		19:04:17	सिंह	लग्न	मेष	23:45:43	मंगल 1वर्ष 10मा 4दि	
शनि		16:40:10	कन्या	सूर्य	सिंह	07:57:13	गुरु	
04/09/2014		20:04:02	कुंभ	चंद्र	मिथु	03:09:04	29/06/2020	
04/09/2033		03:57:58	सिंह	मंगल	कर्क	21:20:42	29/06/2036	
शनि	07/09/2017	22:50:26	कन्या	बुध	सिंह	10:37:06	गुरु	17/08/2022
बुध	17/05/2020	26:56:24	कुंभ व	गुरु	वृष	15:19:49	शनि	28/02/2025
केतु	26/06/2021	09:52:01	कन्या	शुक्र	सिंह	28:13:46	बुध	05/06/2027
शुक्र	26/08/2024	07:51:07	मेष व	शनि	वृष	06:48:05	केतु	11/05/2028
सूर्य	08/08/2025	05:16:32	सिंह व	राहु व	मिथु	28:40:13	शुक्र	10/01/2031
चन्द्र	09/03/2027	05:16:32	कुंभ व	केतु व	धनु	28:40:13	सूर्य	30/10/2031
मंगल	17/04/2028	15:03:55	मक व	हर्ष व	मक	24:27:11	चन्द्र	28/02/2033
राहु	22/02/2031	05:33:49	मक व	नेप व	मक	10:35:55	मंगल	03/02/2034
गुरु	04/09/2033	12:06:09	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:17:39	राहु	29/06/2036

लग्न-चलित

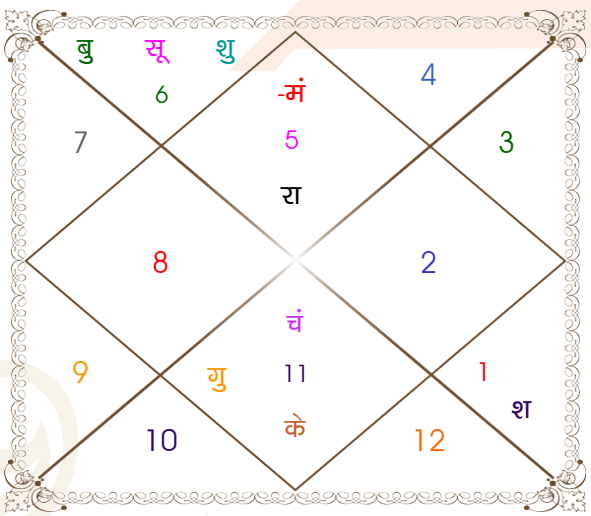

लग्न-चलित

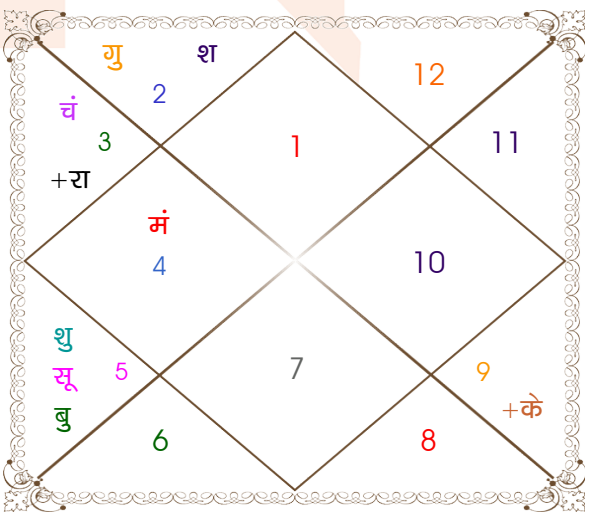

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ।लनी ।हतूंस का वर्ग मेष है तथा डेण त्पबीं ।हतूंस का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।लनी ।हतूंस और डेण त्पबीं ।हतूंस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।लनी ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण ।लनी ।हतूंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण त्पबीं ।हतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण त्पबीं ।हतूंस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण त्पबीं ।हतूंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण त्पबीं ।हतूंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।लनी ।हतूंस तथा डेण त्पबीं ।हतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।